# अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 326 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 03 दिसंबर 2025 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए


# नागरिक–अनुकूल पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और पेशेवर जांच ने पहाड़गांव थाना को भारत का दूसरा सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना बनाया

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने हाल ही में आईआईएम, रायपुर में संपन्न पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक सम्मेलन के दौरान अपनी वार्षिक "सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन" मूल्यांकन योजना के तहत पुलिस स्टेशनों की राष्ट्रीय रैंकिंग की घोषणा की। दक्षिण अण्डमान ज़िले का पुलिस थाना पहाड़गांव इस प्रतिष्ठित मूल्यांकन में संपूर्ण भारत में दूसरा स्थान प्राप्त कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने में सफल रहा। यह सम्मान मंत्रालय द्वारा मानकीकृत राष्ट्रीय संकेतकों पर आधारित कठोर, वस्तुनिष्ठ और बहु–स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया का परिणाम है।

मूल्यांकन में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जैसे अपराध की रोकथाम और अपराधों की जांच, जिनमें महिलाओं के विरुद्ध अपराध, कमज़ोर वर्गों के विरुद्ध अपराध, संपत्ति संबंधी अपराध, लापता एवं अज्ञात व्यक्तियों से जुड़े मामले तथा जांच की गुणवत्ता और समयबद्धता शामिल हैं। एफआईआर निस्तारण और चार्जशीट दाखिल करने की दक्षता भी प्रमुख मानदंड हैं। सेवा वितरण और जनता–अनुकूल कार्यशैली का आकलन पुलिसकर्मियों की सुगमता एवं संवेदनशीलता, उनके व्यवहार और अनुशासन, शिकायत पंजीकरण की सुविधा और स्वतंत्र रूप से एकत्रित नागरिक फीडबैक के आधार पर किया जाता है।

बुनियादी ढांचे और थाना प्रबंधन का मूल्यांकन स्वच्छता, रखरखाव, सार्वजनिक सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था, लॉक–अप और रिकॉर्ड रूम की स्थिति, संचार सुविधाएं तथा समग्र सुरक्षा मानकों के आधार पर किया जाता है। इसके अलावा डिजिटल पुलिसिंग और रिकॉर्ड प्रबंधन, दस्तावेज़ीकरण, तकनीक के उपयोग तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करने की व्यवस्थाओं को भी ध्यान में रखा जाता है।

पुलिस थाना पहाड़गांव द्वारा राष्ट्र स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना उसके अधिकारियों एवं कर्मचारियों की निरंतर मेहनत, पेशेवर निष्ठा, अनुशासित कार्यप्रणाली और समुदाय–उन्मुख पुलिसिंग का परिणाम है। थाने ने ड्रग पेडलिंग और चोरी के मामलों पर कड़ी कार्रवाई की है। विशेष रूप से, थाने के सभी संपत्ति–संबंधी अपराध मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया है। साथ ही गांजा, मेथामफेटामाइन और अन्य मादक/मनोदैहिक पदार्थों के पेडलरों के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत कई मामले दर्ज़ किए गए हैं।

थाने में महिलाओं और बच्चों से संबंधित शिकायतों के लिए एक विशेष कक्ष बनाया गया है, ताकि संवेदनशील वर्ग के लोग पुलिस से सुरक्षित और सहज वातावरण में संवाद कर सकें। थाने में एक समर्पित किशोर कल्याण अधिकारी और महिला हेल्प डेस्क भी है। उप–निरीक्षक रैंक अधिकारियों को स्कूल ऑफिसर के रूप में नियुक्त किया गया है, जो विद्यालयों के आसपास किसी भी अवैध गतिविधि पर निगरानी रखते हैं। इसके अलावा तटीय सुरक्षा अधिकारी भी नियुक्त है, जो मछुआरा समुदाय से समन्वय स्थापित करते हुए पीएमएफ नौकाओं के माध्यम से तटीय गश्त करता है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस मूल्यांकन में छोटे कस्बों, ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी केंद्रों और केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस स्टेशनों को एक समान प्रतिस्पर्धी मंच पर आंका जाता है। पूरे भारत के हजारों पुलिस स्टेशनों में दूसरा स्थान प्राप्त करना दर्शाता है कि उच्च–गुणवत्ता वाली पुलिसिंग संसाधनों के आकार पर नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और प्रतिबद्धता पर आधारित होती है।

दक्षिण अण्डमान ज़िले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के पुलिस महानिदेशक श्री हरगोबिंदर सिंह धालीवाल (आईपीएस) ने कहा, "राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त करना अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के लिए गर्व का क्षण है। यह उपलब्धि इस विश्वास को फिर से मजबूत करती है कि प्रभावी पुलिसिंग समुदाय के भरोसे, मजबूत नेतृत्व और ज़मीनी स्तर पर हमारे अधिकारियों की अथक मेहनत पर आधारित है।"

## संदेश

"अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस" (IDPD) दिव्यांगजनों के अधिकारों, सम्मान और पूर्ण भागीदारी को बनाए रखने की हमारी सामूहिक उत्तरदायित्व का परिचायक है। यह अवसर उनकी क्षमताओं का जश्न मनाने, नेतृत्व को मान्यता देने और एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने का है जहाँ सभी को समृद्धि का अवसर प्राप्त हो सके।

2025 का विषय, "सामाजिक प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए दिव्यांगजन–समावेशी समाजों को बढ़ावा देना", हमें ऐसे वातावरण निर्माण के प्रयासों को सुदृढ़ करने का आग्रह करता है जो सुलभ, समतापूर्ण और सशक्त हों। समावेशी समाज न केवल सामाजिक प्रगति का मानक है, बल्कि वे सतत् विकास और राष्ट्रीय उन्नति के लिए एक पूर्वापेक्षा भी हैं।

IDPD का पालन विकलांगता के विषय में लोगों की समझ को गहन करने और समाज के हर पहलू में दिव्यांगजनों की अपार क्षमता को स्वीकार करने का अवसर प्रदान करता है। समावेशन सुनिश्चित करना केवल सद्भावना का कार्य नहीं है–यह न्याय का विषय है और एक प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला है।

आइए, इस महत्वपूर्ण दिवस के अवसर पर, हर दिन हम दिव्यांगजनों के साथ मिलकर कार्य करने, आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्रदान करने, साझा और प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करने एवं उनकी उपलब्धियों का उत्सव मनाने के अपने संकल्प को दोहराएँ। हम सब मिलकर एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ें जो प्रधानमंत्री जी के 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप, सभी के लिए समावेशी, सुलभ और स्थायी हो।

(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

## सर्किट कोर्ट 8 दिसम्बर से

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

माननीय न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य एवं माननीय न्यायमूर्ति शम्पा दत्त (पॉल), कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, 8 दिसंबर से 22 दिसंबर (दोनों दिन सहित) पोर्ट ब्लेयर में सर्किट कोर्ट में बैठेंगे/सुनवाई करेंगे। प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में रजिस्ट्रार ने यह जानकारी दी है।

## राज निवास में मना नागालैंड और असम का स्थापना दिवस

श्री विजय पुरम, 2 दिसम्बर।

"एक भारत श्रेष्ठ भारत" पहल के एक भाग के रूप में और गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार, नागालैंड और असम का स्थापना दिवस 2 दिसम्बर, 2025 को राज निवास में उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह में नागालैंड और असम के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, एक बातचीत और अनुभव साझा करने का सत्र भी आयोजित किया गया। नागालैंड और असम के स्थापना दिवस पर एक लघु वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। समारोह का समापन हाई टी, समूह फोटोग्राफ और आमंत्रित लोगों को स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ। राज निवास से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रतिभागियों ने इस पहल के लिए तथा उन्हें बातचीत के लिए अवसर और मंच प्रदान करने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार और राज निवास का आभार व्यक्त किया।

# अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह: स्कूबा डाइविंग करें, समुद्र तटों का आनंद लें, सेल्यूलर जेल जाएँ; करने योग्य 5 प्रमुख चीज़ें

नई दिल्ली, 02 दिसंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की यात्रा सचमुच एक अविस्मरणीय अनुभव हो सकती है। इन द्वीपों में राधानगर और एलिफेंट बीच जैसे प्राचीन समुद्र तट हैं, जो आराम करने और धूप का आनंद लेने के लिए एकदम सही हैं। रोमांच के शौकीन लोग स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग का आनंद ले सकते हैं, जीवंत प्रवाल भित्तियों और रंगीन समुद्री जीवन की खोज कर सकते हैं। बाराटांग द्वीप की यात्रा अवश्य करें, जहाँ आप आकर्षक चूना पत्थर की गुफाएँ और मैंग्रोव वन देख सकते हैं। इतिहास प्रेमी श्री विजय पुरम की सेल्यूलर जेल देख सकते हैं और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बारे में जान सकते हैं। इसके अलावा, ये द्वीप नाव की सवारी, ट्रैकिंग और छिपे हुए लैगून की खोज के अवसर भी प्रदान करते हैं। अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध इतिहास के साथ, अण्डमान रोमांच, विश्राम और सीखने का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करता है।

### स्कूबा डाइविंग या स्नॉर्कलिंग करें

अण्डमान के क्रिस्टल–क्लियर जल में स्नॉर्कलिंग करते हुए जीवंत प्रवाल भित्तियों और रंगीन समुद्री जीवन का अनुभव करें। (अनस्प्लैश)

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग के शौकीनों के लिए स्वर्ग हैं। साफ़ नीला पानी, जीवंत प्रवाल भित्तियाँ और विविध समुद्री जीवन हर गोताखोरी को अविस्मरणीय बनाते हैं। स्वराज द्वीप, शहीद द्वीप और नॉर्थ बे जैसे लोकप्रिय स्थान शुरुआती और अनुभवी दोनों तरह के गोताखोरों के लिए सुरक्षित और निर्देशित अनुभव प्रदान करते हैं। रंग–बिरंगी मछलियों, कछुओं और किरणों के साथ तैरते हुए, आपको पानी के नीचे की सुंदरता का नज़दीक से नज़ारा मिलता है। प्रकृति प्रेमियों और रोमांच चाहने वालों के लिए यह एक रोमांचक साहसिक कार्य है।

### बाराटांग द्वीप पर चूना पत्थर की गुफाएँ

अण्डमान द्वीपसमूह की आश्चर्यजनक चूना पत्थर की गुफाओं का अन्वेषण करें, जहां प्रकृति की कलात्मकता का कालातीत सौंदर्य से मिलन होता है। (andamantourism.org)

बाराटांग द्वीप पर स्थित चूना पत्थर की गुफाएँ अण्डमान द्वीपसमूह के सबसे मनमोहक प्राकृतिक अजूबों में से एक हैं। सदियों से बनी ये गुफाएँ आश्चर्यजनक स्टैलेक्टाइट और स्टैलेग्माइट संरचनाओं का प्रदर्शन करती हैं। हरे–भरे मैंग्रोव खाड़ियों से होकर यात्रा करना रोमांच को और बढ़ा देता है। बाराटांग की यात्रा मनोरम दृश्य और द्वीप की अछूती सुंदरता की झलक प्रदान करती है। इन रहस्यमयी गुफाओं की खोज प्रकृति प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों, दोनों के लिए एक यादगार अनुभव है।

### स्वराज द्वीप पर रोमांचकारी जल गतिविधियों का अनुभव करें

अण्डमान द्वीपसमूह के क्रिस्टल–क्लियर नीले पानी में जेट स्कीइंग जैसे रोमांचकारी जल खेलों का अनुभव करें। (पेक्सेलस्पिक्साबे)

स्वराज द्वीप अण्डमान में रोमांचक जल क्रीड़ाओं और समुद्री रोमांच के लिए एक बेहतरीन जगह है। पर्यटक इसके क्रिस्टल–क्लियर पानी में स्नॉर्कलिंग, स्कूबा डाइविंग, जेट स्कीइंग, कयाकिंग और पैरासेलिंग का आनंद ले सकते हैं। जीवंत प्रवाल भित्तियाँ और समृद्ध समुद्री जीवन हर गतिविधि को अविस्मरणीय बनाते हैं। चाहे आप शुरुआती हों या अनुभवी गोताखोर, स्वराज द्वीप सभी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है। यह रोमांच, सुंदरता और सुकून को एक ही द्वीप पर अनुभव करने के लिए एक आदर्श स्थान है।

### राधानगर बीच के किनारे आराम करें

अण्डमान द्वीप समूह के राधानगर बीच पर आराम करें और सुनहरी रेत, फ़िरोज़ा पानी और लुभावने सूर्यास्त का आनंद लें। (अनस्प्लैश)

स्वराज द्वीप पर स्थित राधानगर बीच, अण्डमान द्वीपसमूह के सबसे खूबसूरत समुद्र तटों में से एक है। अपनी मुलायम सफ़ेद रेत, फ़िरोज़ा पानी और मनमोहक सूर्यास्त के लिए प्रसिद्ध, यह समुद्र तट विश्राम और फ़ोटोग्राफ़ी के लिए एक आदर्श स्थान है। पर्यटक तैराकी, समुद्र तट पर सैर या प्रकृति की शांति के बीच सुकून का आनंद ले सकते हैं। राधानगर जोड़ों, परिवारों और शांति और प्राकृतिक सुंदरता चाहने वालों के लिए आदर्श है।

### सेल्यूलर जेल के समय में पीछे जाएँ

श्री विजय पुरम में प्रतिष्ठित सेल्यूलर जेल का अन्वेषण करें, जो भारत के बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों के लिए भावभीनी श्रद्धांजलि है। (पेक्सेल्स)

श्री विजय पुरम की सेल्यूलर जेल की यात्रा ज्ञानवर्धक और भावनात्मक दोनों है। यह पूर्व ब्रिटिश जेल, जो अब एक धरोहर स्मारक है, आगंतुकों को भारतीय स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा झेली गई कठिनाइयों की याद दिलाती है। प्रकाश और ध्वनि शो, वीरता और संघर्ष की कहानियों को जीवंत करते हुए, इस अनुभव को और भी गहरा बनाते हैं। इस जेल का दौरा इतिहास की एक मार्मिक यात्रा प्रदान करता है, जो भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों को श्रद्धांजलि देता है। (स्रोतः www.hindustantimes.com)

## सोशल मीडिया पर प्रसारित फर्जी 'न्यू ईयर क्रूज़ हॉलिडे' विज्ञापन के प्रति लोगों को सचेत किया गया

श्री विजय पुरम, 2 दिसम्बर

यह देखा गया है कि "नए साल के लिए विशेष–अण्डमान क्रूज की छुट्टियाँ–सभी एक ही नए साल की छुट्टियों का पैकेज" शीर्षक वाला एक विज्ञापन सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। विज्ञापन में प्रकाशित संपर्क नंबर पर पूछताछ करने पर पता चला कि यह क्रूज़ यात्रा कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा कॉर्डेलिया क्रूज़ के सहयोग से निर्धारित किया गया है। तथापि, आम जनता के ध्यान में यह लाया जाता है कि अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन द्वारा ऐसा कोई क्रूज़ यात्रा कार्यक्रम निर्धारित नहीं किया गया है। पत्तन प्रबंध बोर्ड द्वारा जारी विज्ञप्ति में सलाह दी गई है कि लोग धोखाधड़ी वाले विज्ञापनों का शिकार न हों और द्वीप प्रशासन की प्रामाणिक वेबसाइट की जानकारी से अपडेट रहें।

## एक्सप्रेस बसें अब जंगलीघाट के बजाय वीआईपी रोड संचालित होंगी

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

जंगलीघाट रोड पर भारी यातायात जाम देखा जा रहा है, जिसके कारण सभी वाहनों के यात्रा समय में बढ़ोत्तरी हो रही है। अतः बंगाली क्लब, गोलघर, जंगलीघाट रोड पर होने वाले ट्रैफिक जाम को कम करने और एक्सप्रेस बसों के सुचारू संचालन के लिए, एसटीएस द्वारा संचालित एटीआर


शेष पृष्ठ 4 पर

# मवेशियों में मुंह–खुर रोग के लिए व्यापक टीकाकरण अभियान 8 दिसम्बर से

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

पशुपालन एवं पशुचिकित्सा सेवा विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, श्री विजय पुरम द्वारा मुंह–खुर रोग (एफएमडी) के 32वें चरण (एनएडीसीपी के 6वें फेज) के तहत व्यापक टीकाकरण अभियान शुरू किया जा रहा है। यह अभियान 8 दिसंबर, 2025 से प्रारंभ होगा, जिसके तहत दक्षिण अण्डमान के विभिन्न गाँवों में केंद्रीकृत क्षेत्रक योजना पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मवेशियों एवं भैंसों का टीकाकरण किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए विभाग ने 10 विशेष टीकाकरण टीमों का गठन किया है, जिनमें टीकाकर्मी, पशु–सहायक तथा वरिष्ठ पशु चिकित्सक टीम लीडर के रूप में शामिल होंगे। एफएमडी एक अत्यंत संक्रामक और संक्रमणकारी रोग है, जो गाय, भैंस, भेड़, बकरी और सूअर जैसे द्विखुरी पशुओं को प्रभावित करता है। इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं उच्च बुखार (104 से 106 डिग्री फ़ारेनहाइट), भूख में कमी, सुस्ती, अत्यधिक लार आना, मुँह में फफोले (विशेष रूप से मसूड़ों और जीभ पर), खुरों में घाव एवं अल्सर (विशेषकर उंगलियों के बीच वाले हिस्से में)। कुछ मामलों में थनों पर भी फफोले दिखाई दे सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार एफएमडी से दूध उत्पादन में कमी, विकास दर में गिरावट और बाँझपन जैसी गंभीर आर्थिक हानियाँ होती हैं। यह रोग संक्रमित पशुओं के मल–मूत्र, लार, नाक से स्राव आदि के माध्यम से फैलता है तथा पशुओं, मनुष्यों, वाहनों और अन्य दूषित वस्तुओं के संपर्क से यांत्रिक रूप से भी फैल सकता है। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूओएएच) ने एफएमडी को शेड्यूल–ए रोग के रूप में वर्गीकृत किया है। इस केंद्र–शासित प्रदेश में पिछले 6 वर्षों से एफएमडी का कोई प्रकोप दर्ज़ नहीं किया गया है। पशुपालन एवं पशुचिकित्सा विभाग प्रदेश को एफएमडी–मुक्त बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्ध है। विभाग ने सभी पशुपालकों से अपील की है कि वे पूर्ण सहयोग दें तथा अपने पशुओं का कान–टैगिंग और एफएमडी टीकाकरण अवश्य सुनिश्चित करें, ताकि द्वीपसमूह को एफएमडी–मुक्त बनाया जा सके।

# द्वीपों के लिए प्रमुख फसलों के पैकेज एवं प्रथाओं पर ऑनलाइन प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की प्रमुख फसलों के पैकेज और प्रक्रियाओं पर आधारित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज किया गया, जो तीन दिवसीय सत्र की शुरुआत का प्रतीक है। यह कार्यक्रम 2 से 4 दिसंबर, 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के कृषि अधिकारियों और फील्ड कर्मियों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करना है। कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम के निदेशक डॉ. जय सुंदर द्वारा किया गया। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में निरंतर सीखने, क्षमता विकास और उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने के महत्व पर ज़ोर दिया, ताकि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में फसल उत्पादकता और स्थिरता में सुधार किया जा सके।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कृषि समुदाय की क्षमता को मजबूत करेगा, जिससे वे बेहतर फसल प्रबंधन तकनीकों को लागू कर सकेंगे, टिकाऊ खेती प्रथाओं

को बढ़ावा देंगे और अंततः क्षेत्र की कृषि प्रगति में योगदान देंगे। निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई ने कहा कि द्वीपों की जलवायु परिस्थितियों से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान आधुनिक तकनीकों, अच्छी कृषि प्रथाओं एवं फील्ड तथा उप–फसल कटाई चरणों में उपयुक्त प्रबंधन रणनीतियों को अपनाकर प्रभावी रूप से किया जा सकता है।

# रोइंग चैम्पियनशिप में चमके द्वीपों के खिलाड़ी

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

अण्डमान तथा निकोबार रोइंग एसोसिएशन को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि भोपाल, मध्य प्रदेश में 26 से 30 नवंबर तक आयोजित 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप एवं 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप में द्वीपों के युवा रोअर्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए केंद्र शासित प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। सुश्री बी. हरीथा और सुश्री बी. हरिप्रिया ने सीडब्ल्यू2एक्स, चैलेंजर विमेंस डबल स्कल श्रेणी में शानदार तालमेल, सहनशक्ति और दृढ़ संकल्प का परिचय देते हुए रजत पदक जीता। यह उपलब्धि उनके कठोर परिश्रम और अनुशासित प्रशिक्षण का प्रमाण है। पदक सूची में और बढ़ोतरी करते हुए सुश्री स्नेहा टोप्पो और सुश्री पी. अलगम्मल ने सीडब्ल्यू2एक्स चैलेंजर विमेंस पेयर श्रेणी में कांस्य पदक प्राप्त किया। उनके मजबूत प्रदर्शन और प्रतिबद्धता ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की रोइंग समुदाय को गौरवान्वित किया है। अण्डमान तथा निकोबार रोइंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जी. भास्कर, एएनआरए समिति सदस्यों एवं कोचों ने चारों खिलाड़ियों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों पर हार्दिक

बधाई दी है। उनकी सफलता न केवल व्यक्तिगत श्रेष्ठता का उदाहरण है, बल्कि द्वीपों में रोइंग खेल की बढ़ती शक्ति को भी दर्शाती है। श्री जी. भास्कर ने खिलाड़ियों और कोचों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियाँ द्वीपों के अनेक युवा खिलाड़ियों को रोइंग अपनाने और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेंगी।

# अस्मिता खेलो इंडिया भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में अलास्का एलीना को कांस्य पदक

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

इन द्वीपों की महिला भारोत्तोलक वर्तमान में 1 से 6 दिसंबर तक त्रिशूर, केरल में आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भाग ले रही हैं। द्वीपों की महिला टीम चार सदस्यों और उनके कोच श्री एस. चिदंबरराजन के साथ विभिन्न वर्गों में प्रतिस्पर्धा कर रही है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आज कुमारी अलास्का एलीना ने 48 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। यह उपलब्धि द्वीपों के इतिहास में पहली बार किसी खिलाड़ी द्वारा भारोत्तोलन प्रतियोगिता में पदक जीतने का गौरव है।

# खेलो इंडिया सेंटर में एथलेटिक्स विधा के लिए खिलाड़ियों का चयन व प्रतिभा पहचान

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का खेल एवं युवा मामले निदेशालय खेलो इंडिया सेंटर, श्री विजय पुरम में एथलेटिक्स विधा के लिए इच्छुक 10 से 17 वर्ष के खिलाड़ियों/एथलीटों का चयन/प्रतिभा पहचान आयोजित कर रहा है। यह केंद्र खेलो इंडिया योजना का एक महत्वपूर्ण घटक है, जिसके अंतर्गत योग्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल विज्ञान समर्थन, कोचिंग निगरानी, खेल उपकरण आदि सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। एथलेटिक्स के लिए चयन/प्रतिभा पहचान प्रक्रिया में सामान्य शारीरिक परीक्षण तथा विशिष्ट परीक्षण शामिल होंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभी इच्छुक युवा खिलाड़ी/एथलीट 7 दिसंबर, 2025 को आवश्यक दस्तावेज़ जैसे जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड (मूल एवं प्रतियां) और 2 पासपोर्ट आकार के फोटोग्राफ सहित नेताजी स्टेडियम मैदान, श्री विजय पुरम में रिपोर्ट करें। अधिक जानकारी के लिए श्री आनंद कुमार, एथलेटिक्स कोच, खेलो इंडिया सेंटर, श्री विजय पुरम से 7011274742 पर संपर्क करें।

# पुरूषों और महिलाओं के लिए ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

खेल एवं युवा मामले विभाग ओपन बास्केटबॉल चैंपियनशिप (पुरुष एवं महिला) का आयोजन 3x3 प्रारूप में कर रहा है, पूर्ण कोर्ट के स्थान पर। प्रत्येक टीम में अधिकतम 4 खिलाड़ी (3 कोर्ट पर और 1 स्थानापन्न) होंगे। प्रतियोगिता 6 और 7 दिसंबर, 2025 को शाम 5 बजे से निःशुल्क आयोजित की जाएगी। सरकारी/निजी विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा अन्य संस्थानों/संगठनों/युवा क्लबों के इच्छुक प्रतिभागी अपने नाम कार्यक्रम आयोजक श्री जी. नागेश राव, पीईटी/बास्केटबॉल कोच, खेल एवं युवा मामले विभाग के फोन नंबर 7063974074/9434270758 पर 6 दिसंबर, 2025 शाम 3 बजे तक दर्ज़ करा सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार प्रवेश फॉर्म खेल एवं युवा मामले विभाग के प्रशासनिक ब्लॉक (कक्ष संख्या–3) से प्राप्त किया जा सकता है। मैचों की रूपरेखा 6 दिसंबर, 2025 को शाम 4 बजे नेताजी स्टेडियम परिसर के बास्केटबॉल कोर्ट में तैयार की जाएगी और उद्घाटन मैच शाम 5 बजे से खेला जाएगा।

# जेएनआरएम के इतिहास के छात्रों ने अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार में इंटर्नशिप पूरा किया

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के इतिहास विभाग ने घोषणा की है कि इसके अंतिम वर्ष के छात्रों ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पाठ्यक्रम के अंतर्गत एक सप्ताह का इंटर्नशिप कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार में पूरा किया। एनईपी के अनुसार छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और क्षेत्र–आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। इस क्रम में इतिहास विभाग के 18 छात्रों ने 24 नवंबर से 29 नवंबर, 2025 तक सचिवालय, श्री विजय पुरम स्थित अण्डमान तथा निकोबार अभिलेखागार में अपनी शैक्षणिक इंटर्नशिप सफलतापूर्वक पूरी की। इस कार्यक्रम ने छात्रों को अभिलेखीय शोध, दस्तावेज़ संरक्षण, ऐतिहासिक डेटा प्रबंधन सहित द्वीपसमूह की समृद्ध सांस्कृतिक और विरासत इतिहास से रुबरु होने का अवसर प्रदान किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इंटर्नशिप पूर्ण होने पर छात्रों ने श्रीमती ज्योति कुमारी (आईएएस), सचिव (अभिलेखागार) से भेंट कर द्वीपसमूह के एकमात्र अभिलेखीय संस्थान में उपलब्ध विशाल दस्तावेज़ भंडार से प्राप्त अपने अनुभव साझा किए। सचिव ने छात्रों के प्रयासों और उत्साह की प्रशंसा की तथा आश्वासन दिया कि अभिलेखागार भविष्य में भी ऐसे ही समृद्ध शिक्षण अवसर प्रदान करता रहेगा।

# राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस के उपलक्ष्य में जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति (एएनपीसीसी) ने राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में उत्तर व मध्य अण्डमान, दक्षिण अण्डमान तथा निकोबार ज़िलों में जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। यह दिवस प्रतिवर्ष 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों की स्मृति में मनाया जाता है, जो पर्यावरण सुरक्षा और प्रदूषण रोकथाम के महत्व को रेखांकित करता है।

उत्तर व मध्य अण्डमान में जागरूकता गतिविधियों में वरिष्ठ विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिताएँ, पावरप्वाइंट प्रस्तुतियाँ, पर्यावरण से संबंधित फिल्म प्रदर्शन तथा कपड़ों के थैलों का वितरण शामिल था। इन कार्यक्रमों का संचालन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पुस्तकालयाध्यक्ष श्री सत्यनारायण वी. द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य एकल–उपयोग प्लास्टिक के उपयोग में कमी लाना था। ये कार्यक्रम उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले में पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुभाषग्राम, डिगलीपुर, पीएम श्री राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मायाबंदर, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कदमतला, प्रवर माध्यमिक विद्यालय, कदमतला, दक्षिण अण्डमान ज़िले में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मंगलूटान, राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, टुसनाबाद और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रंगाचांग में आयोजित किए गए। डॉ. मीनाक्षी दास, वैज्ञानिक तथा सुश्री इशिता आनंद, कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतियाँ दी गईं। प्रदूषण से संबंधित लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया।

29 नवंबर, 2025 को अवेयरनेस हब, डॉलीगंज, श्री विजय पुरम में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता (जूनियर एवं सीनियर स्तर) का विषय "स्वच्छ वायु, हरित पृथ्वीः सतत जीवन की ओर एक कदम" था। जूनियर स्तर विजेता प्रथम कुमारी आलिया फ़ातिमा, कक्षा 6वीं, बालिका विद्यालय, द्वितीय कुमारी के. श्रीनिधि, कक्षा 5वीं, विवेकानंद केंद्र विद्यालय, तृतीय कुमारी एस. देवी, कक्षा 6वीं, मोहनपुरा विद्यालय रहीं।

निकोबार ज़िले के पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कैंपबेल बे के वरिष्ठ स्तर के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित हुई। विजेताओं में प्रथम कुमारी पी. लिकिता, कक्षा 9वीं, द्वितीय कुमारी अकांचा तिरकी, कक्षा 9वीं, तृतीय कुमार जी. भास्कर राव, कक्षा 9वी शामिल हैं।

दक्षिण अण्डमान के लम्बा लाइन, भातूबस्ती, कार्बाठंस कोव तथा जोड़ाकिलान स्थित प्रमुख पेट्रोल पंपों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। "वॉक मोर, ड्राइव सेव" संदेश वाले स्टिकर 200 से अधिक वाहनों में चिपकाया गया, जिसका उद्देश्य वाहन उत्सर्जन से होने वाले वायु प्रदूषण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

अंत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी निदेशक द्वारा दक्षिण अण्डमान क्षेत्र में आयोजित जूनियर और सीनियर स्तर की चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार वितरित कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

# राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप के लिए खिलाड़ियों का चयन

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन अण्डमान निकोबार आइलैंड्स (पीएसएएएनआई) द्वारा 16 दिसंबर, 2025 से श्री विजय पुरम में चयन परीक्षण आयोजित किए जाएंगे, ताकि 23वीं सीनियर, 18वीं जूनियर और दूसरी सब–जूनियर राष्ट्रीय पैरा पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025–26 में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का चयन किया जा सके। यह चैंपियनशिप 16 से 18 जनवरी, 2026 तक रुड़की, उत्तराखंड में आयोजित होगी।

चैंपियनशिप के लिए जन्म तिथि के मानदंड इस प्रकार हैं:

सीनियर–ओपन

जूनियर (बालक एवं बालिका)–1 जनवरी, 2006 से 31 दिसंबर, 2008 के बीच जन्मे खिलाड़ी।

सब–जूनियर (बालक एवं बालिका)–1 जनवरी, 2009 से 31 दिसंबर, 2011 के बीच जन्मे खिलाड़ी।

(आयु 31 दिसंबर, 2026 के आधार पर निर्धारित होगी)

| वर्ग | पुरुष | जूनियर लड़के | सब जूनियर लड़के | वर्ग | महिला | जूनियर लड़कियाँ | सब जूनियर लड़कियाँ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | एमक्यूएस | एमक्यूएस | एमक्यूएस | | एमक्यूएस | एमक्यूएस | एमक्यूएस |
| 49 किलोग्राम तक | 78 | 61 | 43 | 41 किलोग्राम तक | 48 | 37 | 26 |
| 54 किलोग्राम तक | 83 | 64 | 46 | 45 किलोग्राम तक | 49 | 38 | 27 |
| 59 किलोग्राम तक | 87 | 68 | 48 | 50 किलोग्राम तक | 54 | 42 | 30 |
| 65 किलोग्राम तक | 89 | 69 | 49 | 55 किलोग्राम तक | 59 | 46 | 33 |
| 72 किलोग्राम तक | 102 | 79 | 57 | 61 किलोग्राम तक | 59 | 46 | 33 |
| 80 किलोग्राम तक | 106 | 82 | 59 | 67 किलोग्राम तक | 59 | 46 | 33 |
| 88 किलोग्राम तक | 107 | 83 | 59 | 73 किलोग्राम तक | 62 | 48 | 34 |
| 97 किलोग्राम तक | 108 | 84 | 60 | 79 किलोग्राम तक | 64 | 50 | 35 |
| 107 किलोग्राम तक | 110 | 85 | 61 | 86 किलोग्राम तक | 67 | 52 | 37 |
| 107 किलोग्राम से अधिक | 114 | 89 | 63 | 86 किलोग्राम से अधिक | 70 | 54 | 39 |

प्राप्त विज्ञप्ति में इच्छुक पैरा पावरलिफ्टर्स से अनुरोध किया गया है कि वे 15 दिसंबर से पहले अपना पंजीकरण स्टेट ओलंपिक कार्यालय, नेताजी स्टेडियम, श्री विजय पुरम में करवा लें। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात चयनित प्रतिभागियों को चैंपियनशिप प्रविष्टियों के लिए ऑनलाइन लिंक भेजा जाएगा।

# पशुपालन विभाग ने कारनिक महोत्सव में जीता शीर्ष सम्मान

श्री विजय पुरम, 2 दिसंबर

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग, कार निकोबार ने कर्निक महोत्सव 2025 (26 से 28 नवंबर) के दौरान आयोजित स्टॉल प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए एक प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल की है। यह वार्षिक उत्सव, जो निकोबार द्वीपों की सांस्कृतिक समृद्धि और विकासात्मक उपलब्धियों को प्रदर्शित करता है, विभिन्न सरकारी विभागों, गैर–सरकारी संगठनों और स्थानीय उद्यमियों की उत्साही भागीदारी का साक्षी बना। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच, पशुपालन विभाग का स्टॉल अपनी आकर्षक प्रदर्शनी, व्यावहारिक प्रदर्शन और सशक्त जन–जागरूकता संदेशों के कारण विशेष रूप से सराहा गया। पुरस्कार विजेता स्टॉल में उन्नत कुक्कुट नस्लों के जीवंत प्रदर्शन और विभिन्न प्रकार के अंडों की प्रदर्शनी रखी गई थी, जिससे विभाग द्वारा वैज्ञानिक एवं विविधीकृत बैकवर्ड पोल्ट्री फार्मिंग को बढ़ावा देने के सफल प्रयासों को दर्शाया गया। एक विशेष खंड में एकीकृत कृषि प्रणाली (इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम) का प्रदर्शन किया गया, जिसमें दिखाया गया कि पशुपालन, पोल्ट्री और कृषि को एक साथ जोड़कर द्वीपों के किसानों की आय कैसे बढ़ाई जा सकती है और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित की जा सकती है। स्टॉल में स्थापित औषधि काउंटर पर आम पशु–चिकित्सा दवाओं के उपयोग, सही मात्रा, समय पर टीकाकरण कार्यक्रम और सामान्य पशु रोगों के उपचार पर निःशुल्क सलाह दी गई। बड़े पोस्टरों और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से रेबीज़ की रोकथाम, नियमित एंटी–रेबीज टीकाकरण की आवश्यकता, ज़िम्मेदार पालतू पशु पालन और आवारा कुत्तों के सुरक्षित प्रबंधन के बारे में जागरूकता बढ़ाई गई। विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी ने किसानों और पालतू पशु मालिकों के प्रश्नों का समाधान किया, जानकारीपूर्ण पुस्तिकाएँ वितरित कीं, और कुक्कुट पालन के लिए कम लागत वाले चारा एवं आवास तकनीकों का प्रदर्शन किया। ज्यूरी ने स्टॉल की रचनात्मकता, वैज्ञानिक सामग्री और स्थानीय ज़रूरतों से इसकी प्रासंगिकता को सराहते हुए इसे प्रथम स्थान के योग्य माना।

# एक्सप्रेस बसें अब जंगलीघाट के बजाय वीआईपी रोड

पृष्ठ 1 का शेष

एक्सप्रेस सेवाओं का मार्ग गोलघर, जंगलीघाट के स्थान पर वीआईपी रोड से किया जाएगा। परिवहन विभाग से प्राप्त विज्ञप्ति में अतः यात्रियों को सूचित किया गया है कि जिन्होंने पहले से टिकट बुक किए हैं तथा मिडिल प्वाइंट से जंगलीघाट के बीच के किसी भी स्थान से बस में चढ़ने का इरादा रखते हैं, वे अब बस टर्मिनस, श्री विजय पुरम अथवा डेयरी फार्म जंक्शन से एक्सप्रेस बसों में सवार हो सकते हैं।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

## ई–निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यपालक अभियंता, आरसीडी, अलोनिवि विम्बर्लीगंज भारत के राष्ट्रपति की ओर से, अनुभवी और योग्य ठेकेदारों से, चाहे वे किसी भी सूचीबद्ध हों, ऑनलाइन प्रतिशत दर पर बोलियाँ आमंत्रित करते हैं, बशर्ते कि उन्हें इन द्वीपों में भारत सरकार के किसी भी संगठन के साथ संबंधित परिमाण में कार्य करने का अनुभव हो और निम्नलिखित कार्यों के लिए उनकी कोई प्रतिकूल टिप्पणी न हो :

1. एनआईटी संख्या 202/Tech/SE(P)/CE/2025-26 कार्य का नाम : आरसीडी, अलोनिवि विम्बरलीगंज के अंतर्गत तुष्णाबाद जंक्शन से तिरूर तक राज्य राजमार्ग संख्या 11 का सुधार कार्य। अनुमानित लागत : रु. 14,90,70,553/–, बयाना राशि : रु. 24,90,706/–, कार्य पूरा होने का समय : 11 महीने।

(निविदा आईडी : 2025_APWD_20772_1)

बोली–पूर्व सम्मेलन मुख्य अभियंता कार्यालय, अलोनिवि, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में 10/12/2025 को शाम 4.00 बजे आयोजित किया जाएगा।

बोली जमा करने की अंतिम तिथि 19/12/2025 को अपराह्न 3.00 बजे तक होगी। ई–निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।

कार्यकारी अभियंता,
आरसीडी, अलोनिवि विम्बर्लीगंज

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड, श्री विजय पुरम (सरकारी उपक्रम)

## दुकान–सह–गोदाम की आवश्यकता

फा.सं. एम–17/1/2023–सहायक प्रबंधक (आईएमएफएल)–अनिडको–एएन/3758 दिनांक 26.11.2025

अनिडको लिमिटेड श्री विजय पुरम को निम्नलिखित स्थानों पर आईएमएफएल दुकान चलाने के लिए 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक के उपयोग योग्य क्षेत्र वाले दुकान–सह–गोदाम हेतु स्थान की आवश्यकता है।

| क्रमांक | स्थान | दुकान–सह–गोदाम स्थान की आवश्यकता |
|---|---|---|
| A | श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान जिला | |
| 1 | सिप्पीघाट से गाराचरमा | 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक |
| 2 | लम्बा लाइन से स्कूल लाइन | 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक |
| 3 | बर्ड लाइन | 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक |
| 4 | शोर पॉइंट/बम्बूफ्लाट | 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक |
| 5 | स्वराज द्वीप (स्वयं सेवा) | 100 वर्ग मीटर या उससे अधिक, न्यूनतम 5 मीटर चौड़ाई |
| B | उत्तर और मध्य अण्डमान जिला | |
| 1 | बाराटांग | 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक |
| 2 | डिगलीपुर तहसील के अंतर्गत कालीघाट | 70 वर्ग मीटर या उससे अधिक |

भवन पूरी तरह से आरसीसी संरचना का होना चाहिए और उसमें कार्यरत कर्मचारियों के लिए शौचालय और अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुरूप ओवरहेड टैंक, आपातकालीन निकास द्वार और अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुसार आवश्यक संशोधन होना चाहिए। भूमि व्यावसायिक प्रकृति की होनी चाहिए। दुकान, सक्षम प्राधिकारी से आईएमएफएल विक्रीय लाइसेंस प्राप्त होने के बाद ही खोली जानी चाहिए।

इच्छुक पक्ष अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं, जिसमें सटीक स्थान, प्लिंथ क्षेत्रफल, उपयोग योग्य क्षेत्रफल, भवन की संरचना, भवन का डिजाइन, स्केच प्लान, विद्युत अनुपालन और ग्राम पंचायत/स्थानीय नगर पालिका द्वारा अनुमोदित भवन स्थिरता प्रमाणपत्र, प्रति माह किराए की मांग आदि का उल्लेख हो। साथ ही, एक उपक्रम भी दें कि उन्हें अपनी इमारत की जगह पर IMFL शॉप चलाने में कोई दिक्कत नहीं है, यह नोटरी/एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट द्वारा निष्पादित शपथ पत्र, भवन की नवीनतम स्वीकृति और व्यावसायिक रूपांतरण आदेश के रूप में एक वचनबद्धता भी होनी चाहिए। परिसर शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और धार्मिक स्थलों से 75 मीटर की दूरी पर होनी चाहिए। मुख्य सड़क से ट्रक द्वारा भवन तक पहुंचा जा सके।

सीलबंद लिफाफे में प्रस्ताव अनिडको विकास भवन, श्री विजय पुरम में 28 दिसम्बर, 2025 को या उससे पहले दोपहर 3.00 बजे तक पहुँच जाने चाहिए और प्रारूप https://aniidco.and.nic.in और https://andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। उपरोक्त सीलबंद प्रस्ताव में दो अलग–अलग सीलबंद लिफाफे होंगे, जिन पर स्पष्ट रूप से "दस्तावेज विवरण" और दूसरे पर "वित्तीय प्रस्ताव" लिखा होगा। इसे एक तीसरे लिफाफे में रखना होगा, जिस पर बोली का शीर्षक, प्रस्ताव का स्थान, बोली लगाने वाले का नाम, पता और संपर्क नंबर लिखा होना चाहिए।

प्रबंध निदेशक, अनिडको बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्ताव को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार रखते हैं।

महाप्रबंधक (आईएमएफएल), अनिडको

## शपथ पत्र

मैं, एम. यूसुफ, पुत्र मोइद्दीन मोहम्मद, दक्षिण अण्डमान जिले के फरारगंज तहसील के अंतर्गत लम्बा पहाड़ गांव का निवासी हूँ, इसके द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और निम्नलिखित घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं इन द्वीपों का स्थायी निवासी हूँ और उपर्युक्त पते पर रहता हूँ।
2. मेरे पासपोर्ट में जिसका पासपोर्ट संख्या N8501014 में मेरे पिता का नाम मुकोडम मोहम्मद के रूप में दर्ज है, न कि मोइद्दीन मोहम्मद के रूप में, जो कि उनके पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों में दर्ज है।
3. मेरे पिता का वास्तविक और सही नाम मोइद्दीन मोहम्मद है।
4. यह कि मैं अपने उपरोक्त पासपोर्ट में अपने पिता के नाम को मोइद्दीन मोहम्मद के रूप में संशोधित करने के लिए संबंधित प्राधिकारी के माध्यम से यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ, जो सभी उद्देश्यों के लिए आवश्यक है।

उपरोक्त कथन मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य एवं सही है।

स्थान : श्री विजय पुरम — शपथकर्त्ता

## Onboarding and registration of stakeholders in the National Logistics Portal (Marine)

***************

The National Logistics Portal (Marine)-NLP(M)-is a unified digital platform developed by the Government of India to integrate all maritime trade stakeholders, services, and documentation into a single window. Stakeholder on boarding ensures that every user-public or private-can securely access services relevant to them.

The NLP(M) includes a broad range of maritime and trade participants for Trade & Industry Stakeholders such as - Shipping lines & agents, Freight forwarders, Customs brokers, Importers & exporters, CHAs, Transporters (road/ship), CFS/ICD operators, Warehouse operators, Surveyors & inspectors, Banks & insurance providers

The Port Management Board (PMB), Andaman & Nicobar Islands, is in the process of implementing National Logistics Portal (Marine) at Ports of A & N Islands. The Key benefits of Stakeholder onboarding are - Single-window access to all maritime logistics services, Reduced paperwork through digital documentation, Faster cargo movement via integrated workflows, Transparent tracking of vessel, cargo, and clearance status , Improved coordination among all supply-chain actors and Regulatory compliance through unified standards

In this regard trial run has already been successfully conducted by the PMB. All shipping agents, port users, stakeholders and other concerned are requested to complete their registration within 3 days from publication of this Notice to avail Port services and reap the benefits of this digital transformation. The official National Logistics Portal (Marine) can be accessed at: https://nlpmarine.gov.in/pages/authentication/register-v2

For any assistance, please contact the Nodal officer (IT), Port Management Board, Port Blair, during office hours on No. 9434260280

Port Management Board
Andaman & Nicobar Islands

# काशी तमिल संगमम 4.0 : ज्ञान परंपराओं, संस्कृतियों और समुदायों को फिर से जोड़ना

नई दिल्ली, 02 नवम्बर।

काशी तमिल संगमम 4.0, 2 दिसम्बर, 2025 से शुरू हो चुका है, जो तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक और सभ्यतागत सम्पर्क को आगे बढ़ाएगा। यह संस्करण "लेट्स लर्न तमिल–तमिल करकलम" पर आधारित है, जिसमें तमिल भाषा सीखने और भाषा की एकता को संगमम के केन्द्र में रखा गया है।

प्रमुख कार्यक्रम में तमिल करकलम (वाराणसी के स्कूलों में तमिल पढ़ाना), तमिल करपोम (काशी क्षेत्र के 300 छात्रों के लिए तमिल सीखने का स्टडी टूर), और ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान (तेनकासी से काशी तक सभ्यतागत मार्ग का पता लगाना) शामिल हैं। इस वर्ष का संगमम रामेश्वरम में एक विशाल समापन समारोह के साथ खत्म होगा, जो काशी से तमिलनाडु तक संस्कृति के उद्भव और विकास को सांकेतिक तौर पर पूरा करेगा।

काशी तमिल संगमम एक ऐसे रिश्ते का जश्न है जो सदियों से भारतीय कल्पना में बसा हुआ है। अनगिनत तीर्थयात्रियों, विद्वानों और साधकों के लिए, तमिलनाडु और काशी के बीच का सफर कभी भी सिर्फ शारीरिक तौर पर आने–जाने का रास्ता नहीं था–यह विचारों, सोच, भाषाओं और जीवित परंपराओं का एक आंदोलन था। संगमम इसी भावना से प्रेरित है, एक ऐसे बंधन को जिंदा करता है जिसने पीढ़ियों से भारत के सांस्कृतिक माहौल को शांतिपूर्वक आकार दिया है।

जब भारत अपनी आजादी के 75 साल पूरे होने पर पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाए जाने के महत्व के बारे में गहराई और गंभीरता से सोच रहा था और अपनी सभ्यतागत विरासत की गहराई को फिर खोज रहा था–संगमम देश को जोड़ने वाली सांस्कृतिक निरंतरता को फिर से पक्का करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण कोशिश के तौर पर सामने आया। आत्मविश्लेषण और भारत की स्थायी शक्ति का जश्न मनाने की इसी भावना के साथ, काशी तमिल संगमम ने एक पुराने जुड़ाव को सामने लाने के लिए एक राष्ट्रीय मंच दिया, जिसने सदियों से आध्यात्मिक सोच, कलात्मक अभिव्यक्ति और ज्ञान के आदान–प्रदान को रास्ता दिखाया है।

यह पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत के सार को दर्शाती है, जो लोगों को अपनी संस्कृति से परे संस्कृतियों की समृद्धि को समझने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करती है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित, आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय प्रमुख ज्ञान भागीदार के रूप में कार्य कर रहे हैं, और रेलवे, संस्कृति, पर्यटन, कपड़ा और युवा कार्य और खेल सहित दस मंत्रालयों और

उत्तर प्रदेश सरकार की भागीदारी के साथ, काशी तमिल संगमम दोनों क्षेत्रों के छात्रों, कारीगरों, विद्वानों, आध्यात्मिक गुरूओं, शिक्षकों और सांस्कृतिक परम्पराओं को संरक्षित करने के लिए सभी को एक साथ लाता है, जिससे उनके बीच विचारों, सांस्कृतिक कार्य प्रणालियों और पारंपरिक ज्ञान का आदान–प्रदान होता है। संगमम के प्रत्येक संस्करण में तमिलनाडु के छात्र, शिक्षक, कारीगर, विद्वान, आध्यात्मिक नेता और सांस्कृतिक चिकित्सक एक सप्ताह से दस दिनों के लिए काशी आते थे, जिसके दौरान वे काशी के मंदिरों, तमिल संबंध वाले सभी केंद्रों और अयोध्या और प्रयागराज जैसे पड़ोसी क्षेत्रों का दौरा करते थे।

काशी तमिल संगमम 4.0 इस बढ़ते सांस्कृतिक संगम का अगला अध्याय है, जो इसकी सीमा और महत्वाकांक्षा दोनों को बढ़ाएगा। यह संस्करण पूर्व के संगमम का सारांश बनाए रखेगा, साथ ही भाषा सीखने और शैक्षणिक आदान–प्रदान पर ज़्यादा जोर देगा। कार्यक्रम रामेश्वरम में एक समापन समारोह के साथ खत्म होगा, जो काशी–जो उत्तर भारत के सबसे पवित्र केन्द्रों में से एक है–से तमिल अध्यात्मिक विरासत की सबसे पवित्र जगहों में से एक तक के सफर को एक तरह से पूरा करेगा। यह उत्तर से दक्षिण के आर्क संगमम की असली भावना को दिखाता है : दो जीवंत संस्कृतियों के भूगोलों के बीच एक सेतु।

काशी तमिल संगमम 4.0 का दिल इसकी विषय वस्तु, "चलो तमिल सीखें – तमिल करकलम" में है। यह संस्करण तमिल भाषा अध्ययन को अपनी कल्पना के केन्द्र में रखता है, और इस विश्वास को आगे बढ़ाता है कि सभी भारतीय भाषाएँ एक साझा भारतीय भाषा परिवार का हिस्सा हैं। विषय वस्तु एक आसान लेकिन दमदार संदेश देती है : भाषाई विविधता सांस्कृतिक एकता को मजबूत करती है। इस साल का संस्करण एक मजबूत शैक्षणिक केन्द्र भी पेश करता है, जिसमें भाषा–आधारित सांस्कृतिक लेन–देन और युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया गया है। यह काशी क्षेत्र के छात्रों को तमिल भाषा में डूबने और तमिलनाडु की समृद्ध विरासत को सीधे अनुभव करने के मौके देकर, सांस्कृतिक एकता के विचार को प्रतीकों से परे ले जाता है।

इस विशाल कल्पना को ध्यान में रखते हुए, तमिलनाडु से 1,400 से अधिक प्रतिनिधि काशी में होने वाले कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। ये प्रतिनिधि सात बड़ी श्रेणियों में आते हैं – छात्र, अध्यापक, लेखक और मीडिया प्रोफेशनल्स, कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों के लोग, पेशेवर और कारीगर, महिलाएं, और अध्यात्मिक विद्वान। उनके शामिल होने से यह पक्का होता है कि विषय वस्तु की भावना समाज के अलग–अलग हिस्सों तक पहुंचे, जिससे काशी तमिल संगमम 4.0 का असर सबको साथ लेकर चलने वाला और दूर तक पहुंचने वाला हो।

बाद से, काशी तमिल संगमम तमिलनाडु और काशी के बीच एक संरचित संस्कृति और शैक्षणिक जुड़ाव के तौर पर विकसित हुआ है। हर संस्करण ने क्यूरेटेड डेलीगेशन, थीमैटिक फोकस एरिया, एकेडमिक बातचीत और हेरिटेज एक्सपीरियंस के जरिए अपना दायरा बढ़ाया है, जिससे दोनों इलाकों के बीच सभ्यतागत रिश्ते लगातार मजबूत हुए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2022 में काशी तमिल संगमम का पहला संस्करण शुरू किया था, जिसने सांस्कृतिक सेतु की नींव रखी, जो बाद के संस्करणों के जरिए और मजबूत होता जाएगा। पहला संस्करण, जो 16 नवम्बर से 15 दिसम्बर, 2022 तक हुआ था, वह तमिलनाडु और काशी के बीच सांस्कृतिक रिश्तों को बड़े और रोमांचक अनुभवों की विशेषता के साथ लोगों के सामने लाया।

तमिलनाडु से 12 अलग–अलग समूहों में – छात्र, अध्यापक, कारीगर, किसान, लेखक, धर्म गुरू, पेशेवर और सांस्कृतिक प्रैक्टिशनर्स के 2,500 से अधिक भागीदार।

वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या को कवर करने वाले आठ दिन के क्यूरेटेड टूर।

काशी में मुख्य सांस्कृतिक और आध्यात्मिक स्थानों काशी विश्वनाथ मंदिर, केदार घाट, सारनाथ और तमिल हेरिटेज पॉकेट्स का दौरा।

महाकवि सुब्रमण्यम भारती के पुश्तैनी घर का दौरा और शहर में तमिल बोलने वाले समुदायों के साथ बातचीत।

बीएचयूमें रोजाना सांस्कृतिक कार्यक्रम जिनमें तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के कलाकार शामिल हुए।

हथकरघा, हस्तशिल्प, ओडीओपी उत्पाद, किताबें और परम्परागत खाने की प्रदर्शनियां।

शैक्षणिक सत्र, लेक्चर–डेमोस्ट्रेशन्स और सामुदायिक बातचीत जिनमें तमिलनाडु और काशी के बीच ऐतिहासिक और साहित्यिक संबंधों की खोज की गई।

इस पहले संस्करण ने संगमम का मॉडल बनाया.जो विरासत, संस्कृति, स्कॉलरशिप और सीधे लेन–देन के जरिए लोगों को एक साथ लाता है और इसके बाद के सभी संस्करणों के लिए एक मजबूत नींव रखी।

# नौसेना प्रमुख ने लांच किया सबसे अहम मार्गदर्शक दस्तावेज 'भारतीय समुद्री सिद्धांत'

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने मंगलवार को 'भारतीय समुद्री सिद्धांत' जारी किया, जिसका मकसद भारत की क्षेत्रीय भूमिका और समुद्री असर को आगे बढ़ाना है। साथ ही एक ऐसा समुद्री जागरूक देश बनाना है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए समुद्री ताकत की अहमियत को पहचाने। इसका उद्देश्य सेवाओं में तालमेल और इंटीग्रेशन को मजबूत करना और सिद्धांत को रणनीतिक, ऑपरेशनल निर्देशों और नेवल क्षमता विकास में बदलने में मदद करना है।

नौसेना के मुताबिक 'इंडियन मैरीटाइम डॉक्ट्रिन' भारतीय नौसेना का सबसे अहम मार्गदर्शक दस्तावेज है। इसे शुरू में 2004 में प्रकाशित किया गया था और 2009 में इसमें बदलाव किया गया था। इसके बाद 2015 में इसमें कुछ छोटे–मोटे बदलाव किए गए थे। नौसेना ने 2025 के संस्करण में भारत के समुद्री माहौल और रणनीतिक नजरिए से कई बड़े बदलाव किये हैं। इंडियन मैरीटाइम सिद्धांत 2025 नौसेना की रणनीतिक और ऑपरेशन्स की नींव

रखता है और उन सिद्धांतों की एक जैसी समझ देता है, जो लड़ाई–झगड़े के दौरान काम करने में मदद करते हैं। यह नौसेना की भूमिका को साफ तौर पर बताता है और इस खास सवाल का जवाब देता है कि हम जो करते हैं, वह क्यों करते हैं।

'इंडियन मैरीटाइम डॉक्ट्रिन' के नए संस्करण में पिछले दस सालों में भारत के समुद्री माहौल में आए बदलाव को दिखाया गया है और इसमें विकसित भारत 2047 के एक अहम पिलर के तौर पर समुद्रों का इस्तेमाल करने के भारत के बड़े विजन को शामिल किया गया है। इस नजरिए को भारत सरकार की बड़ी पहलों, जैसे सागरमाला, पीएम गति शक्ति, मैरीटाइम इंडिया विज़न 2030, मैरीटाइम अमृत काल विज़न 2047 और महासागर के जरिए मजबूत किया गया है। यह मल्टी–डोमेन खतरों, अलग–अलग तरह के लोगों और टेक्नोलॉजी में तेजी से हो रही तरक्की की वजह से बढ़ती समुद्री सुरक्षा की चुनौतियों को भी पहचानता है।

'भारतीय समुद्री सिद्धांत' का यह संस्करण 'नो–वॉर नो–पीस' को शांति और संघर्ष के बीच एक अलग वर्ग के तौर पर औपचारिक रूप देता है और इसे संघर्ष के स्पेक्ट्रम का एक जरूरी पहलू बनाता है। यह दुश्मनों की रणनीतिक वाली युक्ति की बेहतर समझ को जोड़ता है, जिसमें ग्रे–ज़ोन, हाइब्रिड और इर्रेगुलर वॉरफेयर शामिल हैं। बदला हुआ डॉक्ट्रिन स्पेस, साइबर और कॉग्निटिव डोमेन के बढ़ते महत्व को भी मानता है।

# वैभव सूर्यवंशी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सेंचुरी बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

वैभव सूर्यवंशी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपना पहला शतक मंगलवार को कोलकाता में बिहार और महाराष्ट्र के बीच ग्रुप–स्टेज मैच के दौरान बनाया। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में इतिहास में सबसे कम उम्र में सेंचुरी बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने ऐसा करने के लिए 58 गेंदें लीं, जिसमें सात चौके और इतने ही छक्के मारे।

उनके नाम पहले से ही सबसे कम उम्र के टी20 सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग के 2025 सीज़न में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के लिए 35 गेंदों में सेंचुरी बनाई थी। सूर्यवंशी ने पहले 34 गेंदों पर टूर्नामेंट का अपना पहला अर्धशतक बनाया था। बाएं हाथ के बल्लेबाज 61 गेंदों पर 108 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे बिहार ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 176 रन बनाए।

# इतिहास के पन्नों में 03 दिसंबर : भोपाल में यूनियन कार्बाइड फैक्टरी से गैस रिसाव, 3,000 से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

1984 में आज ही के दिन भोपाल में स्थित यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के कीटनाशक संयंत्र से मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) नामक विषैली गैस के रिसने से इतिहास की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदियों में से एक घटित हुई। आधी रात के बाद हुए इस रिसाव ने कुछ ही घंटों में पूरे शहर को दहशत में डाल दिया।

आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, कम से कम 3,000 लोगों की मौत हुई, जबकि कई हज़ार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गैस के संपर्क में आने से हज़ारों लोग आजीवन शारीरिक विकलांगता, आंखों, फेफड़ों और तंत्रिका तंत्र से जुड़ी बीमारियों से जूझते रहे।

आपदा के तुरंत बाद अस्पतालों में अफरा–तफरी का माहौल था और शहर के बड़े हिस्से में जनजीवन ठप पड़ गया। राहत और बचाव कार्य कई दिनों तक जारी रहे। इस घटना ने न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को औद्योगिक सुरक्षा मानकों और कॉरपोरेट जिम्मेदारियों पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। भोपाल गैस त्रासदी आज भी मानव इतिहास की सबसे दर्दनाक औद्योगिक दुर्घटनाओं में गिनी जाती है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र– 1790 – लार्ड कार्नवालिस ने आपराधिक मामलों में न्याय की ताकत मुशिर्दाबाद के नवाब से छीन कर अपने हाथ में कर ली और सदर निजामत अदालत को कोलकाता स्थानांतरित कर दिया।

1796 – बाजी राव द्वितीय को मराठा साम्राज्य का पेशवा बनाया गया। वे मराठा साम्राज्य के अंतिम पेशवा थे।

1824 – अंग्रेजों ने मद्रास और मुंबई से कुमुक मंगा कर फिर कित्तूर का किला घेर लिया।

1828 – एंड्रयू जैक्सन अमेरिका के सातवें राष्ट्रपति चुने गए।

1829 – वायसराय लॉर्ड विलियम बैंटिक ने भारत में सती प्रथा पर रोक लगायी।

1910 – फ्रांसीसी भौतिकशास्त्री जॉर्जेज क्लाउड द्वारा विकसित विश्व के पहले नियोन लैम्प का पहली बार पेरिस के मोटर शो में प्रदर्शन।

1948 – पूर्वी चीन सागर में चीनी शरणार्थी जहाज को ले जा रहे जहाज कियांग्या में विस्फोट होने से 1,100 लोगों की मौत हुई।

1967 – भारत का पहला रॉकेट (रोहिणी आर एच 75) को थुम्बा से प्रक्षेपित किया गया।

1971 – भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद देश में आपातकाल लागू हुआ।

2002 – यूएनईपी ने भारत समेत सात उष्णकटिबंधीय देशों में जैव विविधता के अध्ययन के लिए 2 करोड़ 60 लाख डालर जारी किया।

# प्रधानमंत्री लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए 2035 नामांकन

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

प्रधानमंत्री लोक प्रशासन उत्कृष्टता पुरस्कार–2025 के लिए कुल 2035 नामांकन प्राप्त हुए हैं। यह पुरस्कार देशभर के सिविल सेवकों के उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने और पुरस्कृत करने के लिए है।

कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 01 अक्टूबर 2025 को शुरू हुए नामांकन पोर्टल पर 30 नवंबर 2025 तक पंजीकरण करके नामांकन जमा किया गया। इसमें कुल 737 जिलों ने पंजीकरण किया है। पुरस्कारों को तीन मुख्य श्रेणियों के तहत सिविल सेवकों के योगदान को मान्यता देने के लिए डिजाइन किया गया है।

बयान के मुताबिक, पहली श्रेणी में 11 प्राथमिकता वाले क्षेत्रीय कार्यक्रमों के तहत जिलों का समग्र विकास के लिए 05 पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें कुल 513 नामांकन प्राप्त हुए हैं जबकि दूसरी श्रेणी में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लिए भी 05 पुरस्कार दिए जाएंगे, जिनमें 464 नामांकन भरे गये हैं। तीसरी श्रेणी में केंद्रीय मंत्रालयों, विभागों, राज्यों और जिलों के लिए नवाचार के क्षेत्र में 06 पुरस्कार दिए जाएंगे, जिसके लिए कुल 1058 नामांकन प्राप्त हुए हैं।

पुरस्कारों के लिए आवेदनों का मूल्यांकन एक बहुस्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। इनमें अतिरिक्त सचिवों की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा जिलों, संगठनों को

शॉर्ट–लिस्ट, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग सचिव की अध्यक्षता वाली विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन, मंत्रिमंडल सचिव की अध्यक्षता वाली अधिकार प्राप्त समिति की अंतिम सिफारिशों पर प्रधानमंत्री निर्णय लेंगे।

विजेताओं को एक ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा, पुरस्कृत जिले–संगठन को 20 लाख रुपये दिए जाएगें, जिसका उपयोग परियोजना, कार्यक्रम को लागू करने या जनकल्याणकारी क्षेत्रों में संसाधनों की कमी को पूरा करने के लिए किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी नई दिल्ली में 21 अप्रैल 2026 को सिविल सेवा दिवस पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करेंगे।

# केंद्र सरकार ने देशभर के राजभवनों के नाम बदले, अब कहलाएंगे 'लोकभवन'

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

भारत में 1 दिसंबर 2025 की तारीख इतिहास में दर्ज हो गई है, क्योंकि आज के ही दिन देशभर में सभी राज्यों के राजभवन के नामों को बदल दिया गया है। अब विभिन्न राज्यों के राजभवन को लोकभवन के नाम से जाना जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर राजभवन का नाम बदलकर लोकभवन कर दिया गया है।

इस क्रम में केंद्र सरकार की तरफ से राजभवनों का नाम बदलना स्पष्ट संदेश है कि सत्ता कोई लाभ उठाने का माध्यम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का नाम है। नाम बदलने के पीछे केवल दिखावा भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक स्पष्ट संदेश और सोच छिपी हुई है। संदेश यह है कि सरकार का काम जनता की सेवा करना है, ना कि सत्ता का सुख भोगना।

दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल में कई जगहों और मार्गों के नाम बदलने के उदाहरण सामने आए हैं। इससे पहले राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ रख दिया गया। राजपथ राजाओं का रास्ता या शक्ति का संदेश देता था, जबकि बाद में इसको कर्तव्य से जोड़ दिया गया, जिसका मतलब साफ है कि सत्ता कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक सेवा का मौका और जिम्मेदारी

है।

अन्य उदाहरण के तौर पर रेस कोर्स रोड को भी लिया जा सकता है, जिसको 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया। लोक कल्याण जन साधारण को स्पष्ट संदेश देता है कि यह लोक कल्याण का रास्ता है, न कि किसी प्रतिष्ठा का प्रतीक।

इसके अलावा केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ वाले नए परिसर को सेवा तीर्थ का नाम दिया। सेवा तीर्थ का संदेश है, "सेवा का पवित्र स्थान।" नाम यह बताने के लिए काफी है कि इस जगह को सेवा की भावना के केंद्र के रूप में समर्पित किया गया है।

# जमीन के अभिलेखों के डिजीटलीकरण और बेहतर नक्शों के लिए दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

भारत में शहरी भूमि प्रशासन के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरुआत करते हुए, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधीन कार्यरत भूमि संसाधन विभाग आगामी 03 दिसंबर को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करेगा। यह संगोष्ठी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में जियोस्मार्ट इंडिया 2025 सम्मेलन और एक्सपो के एक हिस्से के रूप में आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य, देश भर की शहरी जमीन के रिकॉर्ड को आधुनिक बनाने और नागरिक सुविधाओं को बेहतर करने के लिए नई नक़्शे बनाने वाली तकनीक का इस्तेमाल को बढ़ावा देना है।

इस राष्ट्रीय मंच पर प्रमुख नीति निर्माता, भारतीय सर्वेक्षण विभाग के विशेषज्ञ, विभिन्न राज्यों के राजस्व, भूमि अभिलेख अधिकारी और उद्योग जगत के नेता एकजुट होंगे। सरकार चाहती है कि सभी विभाग एक साथ आएं ताकि हम एक ऐसा डिजिटल सिस्टम बना सकें, जिससे जमीन से जुड़े सारे काम ईमानदारी से हों और लोगों को कोई परेशानी न हो। संगोष्ठी में तीन प्रमुख पहलों पर गहन चर्चा की जाएगी, जो देश के डिजिटल भूमि पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य को आकार देगी। इनमें पहली चर्चाः नक्शा पायलट कार्यक्रम पर होगी, जिसका मुख्य लक्ष्य तकनीकी समस्या, डेटा को सटीक रखने जैसे विषयों की जाँच करना है। फिलहाल, यह कार्यक्रम 157 से ज़्यादा शहरों में हवाई जहाज और आधुनिक तकनीक की मदद से जमीन का नक्शा तैयार कर रहा है।

# देश के प्रत्येक नागरिक की डिजिटल सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः केंद्रीय संचार मंत्री

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा है कि संचार साथी ऐप पूरी तरह से लोकतांत्रिक है। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री सिंधिया ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक की डिजिटल सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि संचार साथी ऐप और पोर्टल है, जो नागरिकों को पारदर्शी और उपकरणों के माध्यम से खुद को सुरक्षित रखने में सक्षम बनाता है। उन्होंने बताया कि उपयोगकर्ता अपनी सुविधा के अनुसार ऐप को डाउनलोड कर, इसका लाभ उठा सकते हैं और वे किसी भी समय अपने फोन से इस ऐप को हटा भी सकते हैं।

संचार मंत्रालय ने बताया है कि इस ऐप के शुरू होने के बाद से ही 20 करोड़ से ज़्यादा लोगों ने संचार साथी पोर्टल का उपयोग किया है और एक करोड़ 40 लाख से अधिक लोगों ने इसे डाउनलोड किया है। इस ऐप की मदद से चोरी किए गए 26 लाख मोबाइल फ़ोन का पता लगाया गया है, जिनमें से 7 लाख 23 हज़ार फ़ोन नागरिकों को वापस कर दिए गए हैं।

वहीं, नागरिकों की शिकायत पर 40 लाख से ज़्यादा धोखाधड़ी वाले मोबाइल कनेक्शन काट दिए गए हैं। ऐप ने धोखाधड़ी से जुड़े 6 लाख से ज़्यादा आईएमईआई नंबर ब्लॉक कर दिए हैं।

मंत्रालय कहा है कि संचार साथी उपयोगकर्ताओं को कॉल लॉग से सीधे संदिग्ध धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने की सुविधा देता है, जिससे नागरिकों की डिजिटल सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

# अर्जेंटीना के फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के खिलाफ 13 दिसम्बर को मैच खेलेंगे तेलंगाना के मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 02 दिसंबर।

तेलंगाना राज्य को विश्व में पहचान दिलाने के मकसद से राज्य सरकार 'तेलंगाना राइजिंग 2047' पहल के तहत अर्जेंटीना के प्रख्यात खिलाड़ी लियोनेल मेसी को तेलंगाना ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर के तौर पर बुलाने पर काम कर रही है। इसके लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी खास तैयारी कर रहे हैं। मेसी जल्द ही भारत दौरे के तहत हैदराबाद आ रहे हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस दौरे के पोस्टर का अनावरण किया है।

13 दिसंबर को हैदराबाद में स्थित उप्पल स्टेडियम में एक प्रदर्शनी मैच होगा। इस मैच में मेसी खेलेंगे और उनका मुकाबला करने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी तैयारी कर रहे हैं। वे इसके लिए कड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। साथी प्लेयर्स का कहना है कि फुटबॉल प्लेयर मेसी के खिलाफ इस मैच में मुख्यमंत्री सेंटर फॉरवर्ड पोजीशन पर खेलेंगे। इस मैच और फुटबॉल के स्टार प्लेयर लियोनेल मेसी को लेकर हैदराबाद के लोगों में दिलचस्पी बढ़ने लगी है। इसे लेकर अर्जेंटीना से जुड़े आयोजकों ने पहले ही ऐलान कर दिया है कि मुख्यमंत्री रेवंत के साथ उनकी एक खास बैठक भी होगी। मेसी के दौरे को लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय और खेल मंत्रालय के अधिकारियों ने आधिकारिक पुष्टि की है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने भी एक्स पर ट्वीट कर मेसी के दौरे

के बारे में जानकारी दी है और वे मेसी के साथ मैच के लिए रात में कड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी जोओटी भारत दौरे पर आ रहे हैं। मेसी 13 दिसंबर को कोलकाता पहुंचेंगे और उसी शाम हैदराबाद पहुंच जाएंगे। इसके बाद वे 14 दिसंबर को मुंबई और 15 दिसंबर को नई दिल्ली में भी रहेंगे। ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट और 2022 वर्ल्ड कप चैम्पियन कप्तान मेसी दुनिया के सबसे लोकप्रिय फुटबॉल खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। अपने हैदराबाद के दौरे को लेकर मेसी ने भी पुष्टि की है। नई दिल्ली में उनके प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने की उम्मीद है।

# 3 दिसंबर को क्यों मनाया जाता है विश्व दिव्यांगजन दिवस? जानें इस साल की थीम और इतिहास

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

कई बच्चों में जन्म के साथ हाथ–पैर या शरीर के किसी हिस्से में समस्या होती है। ऐसे बच्चों को स्पेशल चाइल्ड या दिव्यांगता की कैटेगरी में रखा जाता है। दिव्यांग व्यक्तियों को बराबरी के मौके देने और उनके अधिकारों को बनाए रखने के लिए हर साल 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाया जाता है। यह दिन लोगों के बीच दिव्यांगता को लेकर हो रहे भेदभाव को खत्म करने और उन्हें समाज में सम्मान दिलाने के लिए इस दिन का बहुत महत्व होता है। ऐसे में हर साल विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाने के लिए किसी न किसी थीम को तय किया जाता है, जिस पर दुनियाभर में कई तरह के कार्यक्रम, सेमिनर आदि आयोजित किए जाते हैं।

हर साल विश्व दिव्यांगजन दिवस के लिए एक खास थीम निर्धारित की जाती है, जिसके जरिए इस साल इस दिन को मनाने की प्राथमिकता और संदेश तय होता है। ऐसे में साल 2025 के लिए "Fostering disability&inclusive societies for advancing social progress" यानी "विकलांग समावेशी समाजों को आगे बढ़ाना ताकि सामाजिक प्रगति संभव हो सके।" तय किया गया है। इस थीम का उद्देश्य है कि अगर समाज, नीतियां, स्थितियां और वातावरण दिव्यांग लोगों के लिए अनुकूल हो तभी सामाजिक विकास और समानता संभव हो सकता है।

विश्व दिव्यांगजन दिवस की शुरुआत सन 1981 में पहली बार की गई थी। इसके बाद 1992 में संयुक्त राष्ट्र की महासभा ने एक प्रस्ताव पारित कर इस बात का फैसला किया कि हर साल 3 दिसंबर को विश्व स्तर पर दिव्यांग

व्यक्तियों के लिए विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाया जाएगा। शुरुआत में इस दिन का नाम अंतरराष्ट्रीय विकलांग दिवस रखा गया था। लेकिन, साल 2007 में महासभा ने संशोधन का करना नाम बदलकर अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस कर दिया ताकि विकलांगता शब्द की जागरूकता और सम्मान की भावना को लोगों के बीच मजबूत किया जा सके।

विश्व दिव्यांगजन दिवस मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य है कि–समाज में दिव्यांग लोगों के स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ी चुनौतियों और उनके अधिकारों की जरूरत को लेकर लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाई जाए।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य है कि दिव्यांग लोगों को शिक्षा, काम, स्वास्थ्य, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन में आसानी सा भागीदारी दी जा सके और हर जगह समान रूप से उन्हें शामिल किया जा सके।

इस दिन को मनाने का उद्देश्य दिव्यांग लोगों के अधिकारों की रक्षा करना है, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद की जा सके।

# डॉक्टर ने समझाया कब एचआईवी बन जाता है एड्स और समय रहते इलाज क्यों है सबसे जरूरी

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

हमारे समाज में एचआईवी और एड्स को लेकर कई तरह की गलतफहमियां फैली हुई हैं। बहुत से लोग इन दोनों को एक ही बीमारी मान लेते हैं, जबकि मेडिकल साइंस के अनुसार एचआईवी और एड्स दो अलग–अलग कंडीशन हैं।

आकाश हेल्थकेयर में इंटरनल मेडिसिन के सीनियर कंसल्टेंट, डॉ. प्रभात रंजन सिन्हा, इस विषय पर रोशनी डालते हुए बताते हैं कि लोगों में इन दोनों को लेकर अक्सर भ्रम की स्थिति रहती है, जबकि इन्हें समझना बहुत जरूरी है। एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस एक ऐसा खतरनाक वायरस है जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता पर धीरे–धीरे हमला करता है। यह वायरस खासतौर पर CD4 कोशिकाओं को निशाना बनाता है, जो संक्रमणों से लड़ने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

डॉक्टर के अनुसार, एचआईवी संक्रमित व्यक्ति को शुरुआती समय में कोई स्पष्ट लक्षण महसूस हों, यह जरूरी नहीं है। कई लोग वर्षों तक बिना किसी परेशानी के एचआईवी पॉजिटिव रह सकते हैं। इस दौरान वायरस शरीर में सक्रिय रहता है और धीरे–धीरे इम्यून सिस्टम को कमजोर करता जाता है। अगर इस इन्फेक्शन का सही समय पर इलाज न किया जाए, तो यह स्थिति आगे चलकर गंभीर रूप ले सकती है।

एड्स यानी एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम एचआईवी संक्रमण का सबसे अंतिम और गंभीर चरण है। यह कोई अलग वायरस नहीं है, बल्कि एचआईवी से लंबे समय तक बिना इलाज के रहने पर विकसित होने वाली स्थिति है।

जब किसी एचआईवी संक्रमित व्यक्ति का CD4 काउंट 200 से नीचे पहुंच जाए, या उसे कुछ विशेष प्रकार के संक्रमण या कैंसर हो जाएं, तो उसे एड्स के रूप में डायग्नोज किया जाता है। इस अवस्था में शरीर बेहद कमजोर हो जाता है और सामान्य संक्रमण भी गंभीर हो सकते हैं।

एचआईवी को एड्स में बदलने में कितना समय लगता है? यह प्रक्रिया हर व्यक्ति में अलग हो सकती है। औसतन–

अगर एचआईवी का इलाज बिल्कुल न किया जाए, तो यह संक्रमण 8 से 10 साल में एड्स के चरण तक पहुंच सकता है। हालांकि, यह अवधि व्यक्ति के लाइफस्टाइल, सेहत और बीमारी की गंभीरता पर भी निर्भर करती है।

क्या एचआईवी का इलाज संभव है?

आज चिकित्सा विज्ञान के पास एचआईवी को पूरी तरह खत्म करने का उपाय नहीं है, लेकिन एंटी–रेट्रोवायरल थेरेपी (ART) ने इस संक्रमण की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है।

ART क्या करती है?

वायरस को नियंत्रित रखती है।

प्रतिरोधक क्षमता को बनाए रखने में मदद करती है।

वायरस को एड्स में बदलने से काफी हद तक रोकती है।

मरीज को सामान्य, लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाती है।

यह दवाएं वायरस को शरीर से हटाती नहीं हैं, लेकिन उसे इतना कमजोर कर देती हैं कि बीमारी आगे नहीं बढ़ पाती।

एचआईवी संक्रमण के शुरुआती वर्षों में लक्षण न दिखना सबसे बड़ी चुनौती है। इसलिए, समय–समय पर एचआईवी टेस्ट, सुरक्षित व्यवहार, और नियमित दवा लेना इन सबकी मदद से एड्स को पूरी तरह रोका जा सकता है।

एचआईवी और एड्स एक ही नहीं हैं। एचआईवी एक वायरस है, जबकि एड्स उस वायरस का अंतिम और गंभीर चरण। हालांकि, अच्छी खबर यह है कि आज की आधुनिक चिकित्सा, खासकर ART के जरिए एचआईवी संक्रमित व्यक्ति लंबे समय तक बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकता है।

# सुस्ती और पेट से जुड़ी परेशानी का असली कारण है विरुद्धाहार, जानें दूध और दही के साथ क्या न खाएं

नई दिल्ली, 02 दिसम्बर।

अक्सर हम स्वाद के लिए कुछ ऐसे खाने भी खा लेते हैं, जो शरीर के लिए जोखिम भरे होते हैं। कई बार हमें पता नहीं चलता कि हम खाने में जो कुछ खा रहे हैं, वो विरुद्धाहार हो सकता है, जैसे दूध के साथ केला या दूध के साथ खट्टा खाना, जैसे सलाद में नींबू, अचार या सिरका लेना। ये सभी विरुद्धाहार शरीर की पाचन अग्नि को कमजोर कर देते हैं और शरीर में सुस्ती लाने का काम करते हैं। आज हम ये जानेंगे कि दूध और दही के साथ क्या नहीं लेना चाहिए।

आयुर्वेद मानता है कि विरुद्धाहार लेने से पेट संबंधी विकारों के होने की संभावना बढ़ जाती है और अगर लंबे समय तक ऐसा किया जाएगा तो शरीर में गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है। आयुर्वेद में कहा गया है कि विरुद्धाहार से शरीर में वात, पित्त, और कफ का असंतुलन होता है। दूध हमारे आहार का अहम हिस्सा है। दूध का सेवन खट्टे फलों के साथ नहीं करना चाहिए। खट्टे फलों में एसिड होता है और दूध में कैल्शियम और प्रोटीन। ये दोनों मिलकर पेट दर्द या गैस की परेशानी खड़ी कर सकते हैं। दूध को मछली, पुदीना पत्ता, नमक वाली चीजें, मसालेदार तली–भुनी चीजें, लहसुन, प्याज और कटहल के साथ नहीं लेना चाहिए।

कुछ लोगों में ये आदत देखी गई है कि वे रात के भोजन के साथ दूध लेते हैं। ये आदत गलत है। दूध को हमेशा सोने से एक घंटा पहले लेना चाहिए। अब बात करते हैं दही की। दही के साथ तले हुए पदार्थों का सेवन न करें। ऐसा करने से शरीर में सुस्ती और पेट में भारीपन बना रहता

है। दही के साथ मछली का सेवन पेट की पाचन शक्ति को कमजोर करता है, दही के साथ चावल का सेवन शरीर को भारी महसूस कराता है, दही के साथ बीन्स पेट में गैस की समस्या पैदा करती है, दही के साथ खट्टा अचार पाचन अग्नि को कम करता है, और दही को गर्म करना भी नुकसानदेह होता है।

अब बात करते हैं ठंडे और गर्म आहार की। कोल्ड ड्रिंक के साथ परांठा लेना जहर खाने जैसा होता है, ये पेट में विषैले पदार्थ बढ़ाता है। खाने के साथ आइस्क्रीम का सेवन भी खाने का पाचन कमजोर करता है। जंक फूड के साथ कोल्ड ड्रिंक के सेवन से नींद आने लगती है। लंच के बाद ठंडा और मीठा खाने से शरीर में सुस्ती बढ़ती है और नींद आने लगती है। ये खतरनाक कॉम्बिनेशन शरीर की पाचन शक्ति को कमजोर कर कब्ज बनाते हैं। जितना हो सके हल्का और गुनगुना आहार लें। दही और दूध लेते समय सावधानी बरतें कि उनके साथ खट्टे और मसालेदार पदार्थ न हों।